

**International Workshop**  
**Srinivasa Ramanujan: the man beyond infinity**  
**22 December 2020**

**NOTICE**



**हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय**  
**Central University of Himachal Pradesh**  
(Established under Central Universities Act 2009)  
अस्थायी शैक्षणिक खण्ड, जिला कांगड़ा (हि.प्र.) - 176206  
Temporary Academic Block, Distt Kangra (HP) - 176206  
Website: www.cuhimachal.ac.in

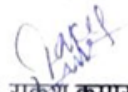
File No.: MH 2-2 CUHP 19

Dated: 22/12/2020

**सूचना**


हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, शाहपुर में श्रीनिवास रामानुजन गणित विभाग, गणित, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान स्कूल द्वारा दिनांक 22 दिसम्बर, 2020 को Srinivasa Ramanujan: The Man Beyond Infinity विषय पर "राष्ट्रीय कार्यशाला" का आयोजन किया जा रहा है।

अतः श्रीनिवास रामानुजन गणित विभाग के सभी विद्यार्थियों एवम् शोधार्थियों को यह निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त कार्यशाला के दौरान आयोजित अतिथि व्याख्यानो में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

  
प्रो. राकेश कुमार,  
विभागाध्यक्ष,  
श्रीनिवास रामानुजन गणित विभाग

निम्नलिखित को सूचनार्थ एवम् आगामी कार्यवाही हेतु प्रति अग्रेषित:-

1. सूचना पट्ट।
2. सभी संकाय सदस्य, गणित, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान स्कूल, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, शाहपुर।
3. अधिष्ठाता, गणित, कंप्यूटर एवम् सूचना विज्ञान स्कूल, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, शाहपुर।

  
विभागाध्यक्ष,  
श्रीनिवास रामानुजन गणित विभाग

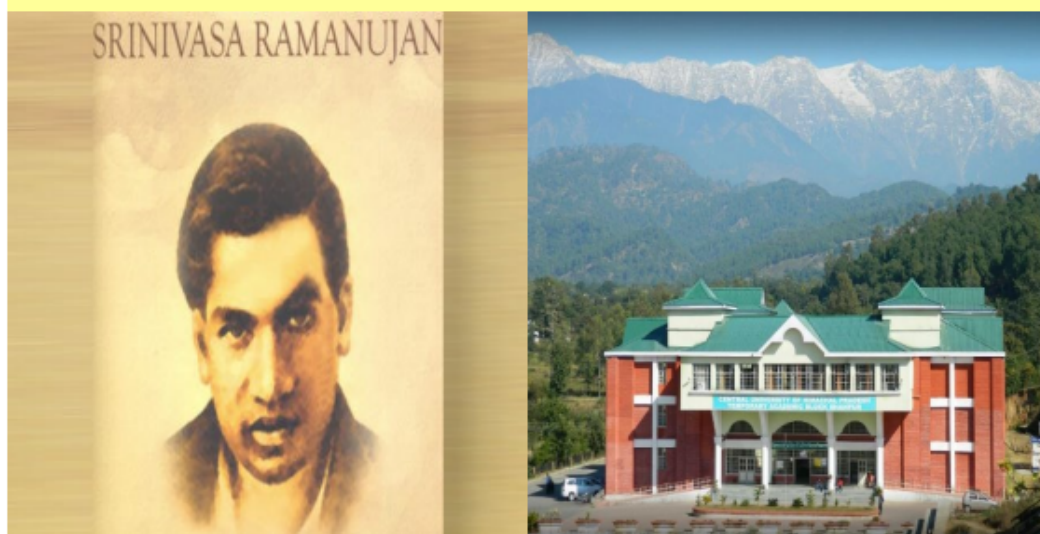
## **BROCHURE**



ONLINE INTERNATIONAL WORKSHOP ON

### **SRINIVASA RAMANUJAN: THE MAN BEYOND INFINITY**

*An event for celebrating the National Mathematics Day on  
the occasion of 133th Birth Year of Srinivasa Ramanujan  
22 December 2020*



***Organized by***

Srinivasa Ramanujan Department of Mathematics  
&  
Centre for Vedic Mathematical Studies  
Central University of Himachal Pradesh ,  
TAB– Shahpur, 176206, HP, India  
**(<http://www.cuhimachal.ac.in>)**

**Emeritus Speakers**



**PROF. K. Srinivasa Rao, Senior Professor, (Retd.), IMSc, Distinguished DST-Ramanujan Professor Srinivasa Ramanujan Center(2005-2009)**



**Prof. Niccolò Guicciardini Corsi Salviati, Professor of History of Science University of Milan, Italy**



**Prof. Satyanad Kichenassamy, University of Reims Champagne-ardenne, France**



**Prof. (Dr) Anupam Jain, Incharge Principal, Government College, Indoor (M.P.) India**



**Dr. Zhao Jiwei, Associate Professor of the Institute of Advanced Study for History of Science, Northwest University,**

<b>Program Schedule</b>	
<b>22 DECEMBER 2020, TUESDAY</b>	
TIME	DETAILS
09.30 AM– 10:00 AM	<b>Inaugural Session</b>
<b>Session I : 10:00 AM – 12:30 PM</b>	
10.00 AM – 11:30 AM	<b>K.S. Rao-</b> Srinivasa Ramanujan; Life, Work and Achievements
11.45 AM- 12.30 PM	<b>Zhao Jiwei-</b> Bhaskara's calculation of the surface area of the sphere
<b>Session II : 1.00 PM – 04.15 PM</b>	
1:00 PM – 01:55 PM	<b>Anupam Jain-</b> Importance of Indian Mathematics
02:00 PM – 02:55 PM	<b>Satyanad Kichenassamy :</b> Apodictic discourse in ancient and modern Mathematics
03:00 PM – 03.55 PM	<b>Niccolò Guicciardini -</b> On the interpretation of past mathematical texts: the case of Johann Bernoulli's differential equation for central force motion
04:00 PM – 04:15 PM	<b>Valedictory Session</b>

**Resource Persons:**

- Prof. K. Srinivasa Rao, a retired Professor, Institute of Mathematical Sciences
- Prof. Satyanad Kichenassamy, University of Reims Champagne, France
- Prof. NGC Saivaiti, University of Milan, Italy

## REPORT OF THE WORKSHOP

Online one day International Workshop on the topic "**Srinivasa Ramanujan: the man beyond infinity**" was organized by Srinivasa Ramanujan Department of Mathematics and Centre for Vedic Mathematical Studies of **Central University of Himachal Pradesh, Dharamshala India** on 22<sup>nd</sup> December, 2020.

The workshop's convener, Prof. Rakesh Kumar, said that the main objective of this workshop was to celebrate the 133<sup>rd</sup> birth anniversary of famous mathematician Srinivasa Ramanujan. The emeritus speakers were invited for talks in the workshop. Prof. K. Srinivasa Rao, a retired professor from The Institute of Mathematical Sciences, put light on the life and works of Srinivasa Ramanujan in an elegant manner. Prof. Zhao Jiwei from Northwest University in China explained Bhaskara's approach for the calculation of the surface area of a sphere. Prof. Satyanad Kichenassamy from the University of Reims, Champagne, France, discussed the apodictic discourse in ancient and modern mathematics. Prof. NGC Saivaiti from the University of Milan, Italy, narrated the past interpretations of Bernoulli's differential equation. Prof. June Barrow Green from The Open University in the United Kingdom gave a talk in this workshop on Mathematicians at War. According to Dr. Pankaj Thakur, the organizing secretary of the workshop, more than six hundred participants have participated in this workshop. Dr. Sachin Kumar Srivastava and Dr. Meenakshi were also present in this workshop, along with the students of the department.

### MEDIA COVERAGE

## श्रीनिवास रामानुजन के शोध कार्यों पर चर्चा

एकदिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन, देश भर के प्रतिभागियों ने लिया भाग

टीन-घरनाला, शाहपुर

हिमाचल प्रदेश के द्वाय विध्वंचालय के श्रीनिवास रामानुजन गणित विभाग और वैदिक गणितोय अध्ययन केद्र द्वारा संयुक्त रूप से राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य पर एकदिवसीय ऑनलाइन अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्रीनिवास रामानुजन अनंत से परे आदमी विषय पर आयोजित इस कार्यशाला में देश भर के प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला के संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने कहा कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की 133वीं जयंती को मनाना था। कार्यशाला में

वार्ता के लिए एमेरिटस वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था। इस कार्यशाला में शोधार्थियों, छात्रों, युवा शिक्षण कर्मियों एवं वैज्ञानिकों को विध स्तर पर रामानुजन के गणितोय शोधों और उनके जीवन से अवगत करवाया गया। द इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिकल साइंसेज के संवनिवृत्त प्रो. प्रो. के श्रीनिवास राव ने श्रीनिवास रामानुजन के जीवन और कार्यों पर सुरुचिपूर्ण ढंग से प्रकाश डाला। नॉर्थ वेस्ट यूनिवर्सिटी चीन के प्रो. झाओ जिवेई ने भास्कर के दृष्टिकोण को क्षेत्र के सतह क्षेत्र की गणना के लिए समझाया। यूनिवर्सिटी ऑफ रिम्स शेंपेन, फ्रांस के प्रो. सत्यानद किचनसामी ने प्राचीन और आधुनिक गणित में

उदासीन प्रवचन पर चर्चा की। इटली मिलान विध्विद्यालय से प्रो. एनजीसी सैवैती ने वर्गोली के अंतर समीकरण पर पुरानी व्याख्याएं सुनाई। द ओपन यूनिवर्सिटी यूनाइटेड किंगडम के प्रो. जून बैरो ग्रीन ने इस कार्यशाला में युद्ध के दौरान गणितज्ञों के योगदान पर अपनी बात रखी। प्रो. अनुपम जैन ने भारतीय गणित के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के आयोजक सचिव डा. पंकज ठाकुर के अनुसार इस कार्यशाला में छह सौ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस मौके पर डा. सचिन कुमार श्रीवास्तव और डा. मीनाक्षी भी विभाग के छात्रों के साथ कार्यशाला में उपस्थित रहे।

दिव्य हिमाचल